बिहार विधान-सभा वादवृत्त

(भाग—1 कार्यवाही प्रश्नोत्तर)

सोमवार तिथि 31 जुलाई, 1978

विषय-सूची

पृष्ठ

प्रश्नों के मौखिक उत्तर :

अल्प-सूचित प्रश्नोत्तर संख्या ।

तारांकित प्रश्नोत्तर संख्या :—1311, 1317, 1318, 1939, 1940, 1941, 2588, 2589, 2590, 2600, 2603, 2634, 2703, 2705, 2706. ... 1—32

अतारांकित प्रश्नोत्तर संख्या :

परिशिष्ट :—(प्रश्नों के लिखित उत्तर) : ... 33—68

दैनिक निबन्ध । 69—70

टिप्पणी :—जिन मंत्रियों एवं सदस्यों ने अपना भाषण संशोधित नहीं किया है, उनके नाम के आगे (*) चिह्न लगा दिया गया है ।

श्री नईम अख्तर—बाढ़ आ गयी है, वाटर लेवल ऊपर उठ गया है, कहीं मिट्टी ऊँची हो गयी है, कहीं नीची हो गयी है, इसलिये मैं जानना चाहता हूँ कि यह काम कबतक पूरा हो जायगा ?

श्री सच्चिदानन्द सिंह—मैंने स्वयं कहा कि अभी यह काम अधूरा है। जितना सुदृढ़ीकरण होना चाहिए वह पूरा नहीं हुआ है, उसमें काम लगा हुआ है, उसमें अगर कम मिट्टी पड़ी होगी और ज्यादा का भुगतान हो गया होगा, इसकी सूचना माननीय सदस्य दें तो में इसकी जाँच करा दूंगा। बरसात के बाद इस काम को पूरा कर देंगे।

श्री नईम अख्तर—ऐसी जानकारी है कि मजदूरों को मजदूरी ठीक से नहीं मिल पाती है, इसीलिये यह काम रुका हुआ है।

श्री सच्चिदानन्द सिंह—यह सवाल इससे उठता नहीं है लेकिन मैं व्यक्तिगत जानकारी के आधार पर कहता हूँ कि यह सभी लोग जानते हैं कि ठीकेदार जो काम कराते हैं उसमें शेड्युल रेट से जो मजदूरी मजदूरों को मिलनी चाहिए वह शायद कहीं नहीं मिलती है। विभाग सजग है कि किसी प्रकार से यह काम जल्दी हो जाय।

अध्यक्ष—बरसात के बाद पूरा करने का विचार सरकार का है, ऐसा उन्होंने कहा।

*श्री रामानन्द प्रसाद यादव—माननीय मंत्री के पास बाँध की ऊँचाई बढ़ाने की ही योजना है या नदियों को नीचा करने की भी योजना है ?

अध्यक्ष—वहाँ जाकर देख लिजीए, तब पूरक प्रश्न पूछिएगा।

शिकायक-पत्र तिथि।

*2588. श्री परमेश्वर कुवँर—क्या मंत्री, पशुपालन विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि—

(1) क्या यह बात सही है कि सहरसा जिला के महिषी प्रखंड के मवेशी अस्पताल में श्री सोहा सिंह नाम से प्रसिद्ध एक मवेशी डाक्टर हैं जिन्होंने उक्त

प्रखंड के सरौनी गाँव के मुखियाँ के संबंधी से फीस जमा कराकर इलाज करने नहीं गये ;

(2) क्या यह बात सही है कि उक्त ग्राम पंचायत के मुखिया ने विभागीय पदाधिकारी को उक्त आरोप से संबंधित शिकायत-पत्र दी, यदि हां, तो कब शिकायत-पत्र दी गई ?

*श्री रामचन्द्र सिंह यादव—(1) उत्तर अस्वीकारात्मक है। महिषी प्रखंड के मवेशी अस्पताल में लोहा सिंह नाम से प्रसिद्ध कोई मवेशी डाक्टर नहीं है। महिषी में पदस्थापित डा० का नाम डा० शिव नारायण सिंह है। जहाँ तक सरौनी गाँव के मुखिया के संबंधी से फीस जमा कराकर इलाज करने हेतु संबंधित डाक्टर के नहीं जाने की बात है इसकी जाँच स्थानीय पदाधिकारी द्वारा कराई गयी है किन्तु कोई ठोस प्रमाण नहीं मिला।

(2) विगत एक वर्ष में कोई शिकायत इस संबंध में मुखिया से प्राप्त नहीं हुई है। फिर भी जनहित में डा० सिंह की बदली का आदेश सरकार ने दे दिया है।

श्री परमेश्वर कुवँर—उस डाक्टर का नाम तो मैं नहीं जानता हूँ लेकिन वे वहाँ लोहा सिंह के नाम से ही प्रसिद्ध हैं।

अध्यक्ष—अब तो उनकी बदली का आदेश भी हो चुका है।

श्री परमेश्वर कुवँर—उन्होंने हजारों मवेशियों को मारा है। बदली से क्या होगा ? लाखो रुपये वे खा गये हैं।

अध्यक्ष—वे लाखो रुपये खा गये ?

श्री परमेश्वर कुवँर—एक-एक आदमी से पचास-पचास रुपया लिया है।

श्री कर्पूरी ठाकुर—अगर माननीय सदस्य को निश्चित सूचना है कि सचमुच बहुत पशुओं की मृत्यु उस डाक्टर के चलते हो गयी है तो सरकार इसको गंभीर मानती है और सरकार इसकी अवश्य जाँच करायेगी, लेकिन सूचना तो अवश्य मिलनी चाहिए कि किस गाँव के मवेशी मरे, इसलिये दो-चार गाँवों का नाम कृपया लिया जाय।

अध्यक्ष—आप गाँव का नाम लिखकर दे दें।

श्री कर्पूरी ठाकुर—डाक्टर की लापरवाही के चलते मवेशी मर गये या उनकी गलती के चलते मर गये, निश्चित गांव की सूचना माननीय सदस्य को हो तो वे लिखकर दे दें तो निश्चित रूप से सरकार इसकी जांच करा देगी।

श्री परमेश्वर कुवंर—डाक्टर ने फीस ले लिया लेकिन मवेशियों को देखने नहीं गये और मवेशी मर गये, महिषी प्रखंड में तटबंध के बाहर और भीतर के गांवों में यह बात हुई है।

अध्यक्ष—ऐसा कोई आरोप उस डाक्टर के खिलाफ माननीय मंत्री को या विभाग को प्राप्त नहीं हुआ है, लेकिन माननीय मुख्य मंत्री ने कहा कि आप स्पेसिफिक चार्ज जो है उसकी सूचना दे दें तो वे जांच करा देंगे।

श्री परमेश्वर कुवंर—स्पेसिफिक चार्ज नहीं लगाया जा सकता है।

श्री कर्पूरी ठाकुर—दो चार गांव जो तटबंध के अन्दर हों, उनका नाम तो आप दे दें।

श्री परमेश्वर कुवंर—मैं सरोनी गांव का नाम लेता हूँ।

श्री कर्पूरी ठाकुर—अध्यक्ष महोदय, सदस्य से पूछा जाय कि सरोनी गांव तटबंध के अन्दर है या बाहर?

श्री परमेश्वर कुवंर—सरौनी गांव तटबंध के अन्दर है या बाहर है क्या उनको नहीं मालूम है। सैंकड़ो बार वे वहाँ गये हैं, मेरे साथ भी वहाँ वे गये हैं,। तटबंध के बाहर और भीतर दोनों तरह के गांवों में यह बात हुई है।

अध्यक्ष—आप गांवों का नाम लिखकर दे दीजिए।

श्री कृष्ण कांत सिंह—लोहा सिंह आकाशवाणी से वहाँ चले गये?

अध्यक्ष—अब अनेक लोहा सिंह राज्य में हो गये हैं। (हंसी)

श्री अब्दुल गफूर—माननीय मुख्य मंत्री ने कहा कि माननीय सदस्य कुछ गांवों का नाम लिखकर दे दें तो माननीय सदस्य ने सरौनी गांव का नाम लिया तो गांव का नाम लेकर सरकार क्या करेगी?

अध्यक्ष—सरकार इसको गंभीर मानती है।